Appendix - IV

DISOBEDIENCE SCALE

निर्देश

यह एक प्रश्नावली है। जिसमें ऐसे प्रश्न हैं जिसका सम्बन्ध आपके होने वाले व्यवहार से है। आप सामाजिक परिवेश में रहते हैं, उसमें आपके माँ-बाप, अभिवावक, शिक्षक, अधिकारीगण जैसे लोगों से आपका सम्बन्ध बना रहता है। किसके साथ आप कैसा आचरण प्रदर्शित करते हैं या करना पसन्द करेंगे, ऐसी ही बातों से संबंधित ये प्रश्न आपसे पूछे गये हैं।

प्रत्येक प्रश्न के एक कथन के रूप में दिया गया है। प्रत्येक कथन के उत्तर पाँच विकल्पों में दिये गये हैं। ये पाँच उत्तर "बिल्कुल सही", "सही", "कहना कठिन है", "गलत", "बिल्कुल गलत" के रूप में दिये गये हैं।

प्रत्येक कथन को ध्यानपूर्वक पढ़े। सभी कथनों का एक साथ न पढ़िए। एक को पढ़कर फिर सोचिए, वह आप पर कहाँ तक लागू है। फिर उसका जो उपयुक्त उत्तर प्रतीत हो सामने के उत्तर श्रेणी में उस बिन्दु को घेर दें।

प्रत्येक कथन एक दूसरे से भिन्न है। अतः एक कथन का उत्तर देने के बाद उसे न तो दुबारा पढ़े या उसे दुसरे से तुलना करें। आपके विचार अपने आप में स्वतंत्र हैं। अतः दुसरे से परामर्श भी न लें। आपको केवल यह देखना है कि वह कथन आपके लिए कितना सही या गलत है।

यह एक प्रश्नावली एक मनोवैज्ञानिकशोध के अन्तर्गत दिया जा रहा है। अतः आपके सहयोग के लिए हम बहुत आभारी हैं।

सधन्यवाद

शोधकर्त्ता

प्रत्येक कथन का सही उत्तर उसके सामने के बिन्दु को घेर कर दें।

क्रम सं०	कथन	बिल्कुल सही	सही	कहना कठिन है	गलत	बिल्कुल गलत
१	२	३	४	५	६	७
१.	मुझे किसी की भी आज्ञा मानने को मन गवाही नहीं देता।	०	०	०	०	०
२.	अपने हित की रक्षा के लिए मैं किसी की भी अवज्ञा कर सकता हूँ।	०	०	०	०	०
३.	हमें बड़ों की इच्छा का विरोध करना चाहिए।	०	०	०	०	०
४.	मेरा मन अक्सर अधिकारी वर्ग के प्रति विद्रोह करना चाहता है।	०	०	०	०	०
५.	मुझे अपने से बड़ों की आज्ञा मानने में बिल्कुल हिचकिचाहट नहीं होती।	०	०	०	०	०

१ २	३	४	५	६	७
६. कोई मुझे डांट सकता है, यदि वह मुझसे बड़ा है।	०	०	०	०	०
७. अपनों से बड़ों के प्रति आदर की भावना सब मं सवश्य होनी चाहिए।	०	०	०	०	०
८. युवा वर्ग का पुरानी पीढ़ी से विरोध इस युग कि मांग है।	०	०	०	०	०
९. केवल इस विचार से आशा देनेवाला हमसे बड़ा है, उसकि आज्ञा मानना मूर्खता होगी।	०	०	०	०	०
१०. आज बड़ो की आज्ञा का पालन करना मात्र उपदेश की बात रह गयी है।	०	०	०	०	०
११. हर व्यक्ति का फर्ज होता है कि वह अपने अधिकारी की दातें स्वीकार कर लें।	०	०	०	०	०
१२. हमारें माता-पिता हमसे ज्यादा अनुभवी हैं, अतः हमें उनकी बातें सहर्ष माननी चाहिए।	०	०	०	०	०
१३. अपने माता-पिता पर अपना ही प्रभाव डालने में मैं सफल रहता हूँ।	०	०	०	०	०
१४. हमें अपने अधिकारी वर्ग की आज्ञा की अवहेलना किसी भी हालत में नहीं करनी चाहिए।	०	०	०	०	०
१५. मैं अपने बड़ों की बातें बिना किसी तर्क के मान लेता हूँ।	०	०	०	०	०
१६. मेरे जीवन में बहुधा ऐसे अवसर आये हैं जब हमने अपने अधिकारी से विरोध प्रकट किया है।	०	०	०	०	०
१७. अपनी इच्छा पूरी करने के लिए किसी की भी अवज्ञा कर सकता हूँ।	०	०	०	०	०
१८. अपने शिक्षकों की आज्ञा मैंने सदा स्वीकार की है।	०	०	०	०	०
१९. आवश्यकता आने पर मुझे किसी भी बड़े के प्रति उदण्ड बनने में हिचक नहीं होती।	०	०	०	०	०
२०. हर कीमत पर हमें बड़े-बुजुर्गों के प्रति शिष्टता दिखलानी चाहिए।	०	०	०	०	०
२१. अपने अधिकारी की गलत बातें भी मैं स्वीकार कर लेता हूँ।	०	०	०	०	०
२२. कोई आदेश देता है, तब मेरे आत्म-सम्मान पर बहुत ठेस लगती है।	०	०	०	०	०
२३. केवल गुरूजनों को अधिकार हैं कि भला-बुरा जैसा भी चाहे आदेश दें।	०	०	०	०	०
२४. पैसे में किसी के प्रभुत्व को बरदाश्त नहीं कर सकता।	०	०	०	०	०